समिति बनाई गई है, जो एक अखिल भारतीय समाचार अभिकरण का संचालन कर रही है ;

(ख) क्या यह भी सच है कि उक्त सहकारी समिति ने सरकार से ऋण मांगा है ;

(ग) यदि हां, तो क्या ऋण स्वीकार किया जा चुका है ;

(घ) यदि हां, तो कितना और किन शर्तों पर स्वीकार किया गया है ; और

(ङ) यदि उपरोक्त भाग (ग) का उत्तर नकारात्मक हो, तो ऋण न देने के क्या कारण हैं ?

सामुदायिक विकास तथा सहकार उपमंत्री (श्री ब० स० मूर्ति): (क) से (ङ). इन प्रश्नों का उत्तर मंत्री महोदय सूचना तथा प्रसार विभाग, आगे किसी तिथि को देंगे।

Burdwan-Moghulsarai Track

2593. Shri Sadhan Gupta: Will the Minister of Railways be pleased to state·

(a) the mileage of track laid between Burdwan and Mughalsarai along the Grand Cord Line and Tatanagar and Rourkela during 1958;

(b) the extent to which cast iron sleepers have been used in laying such tracks; and

(c) the reason for not using wooden sleepers?

The Deputy Minister of Railways (Shri S. V. Ramaswamy): (a) The following Track Renewal Works have been carried out:—

(1) Between Burdwan and Mughalsarai:—

Complete Track Renewals—4.57 miles.

Through Renewals of Sleepers—2.00 miles.

Through Renewals of rails—3.24 miles.

(2) Between Tatanagar and Rourkela

Complete Track Renewals—10.42 miles.

Through Renewals of Sleepers—7.75 miles.

(b) Cast Iron Sleepers have been used on 12.41 miles.

(c) Wooden sleepers have also been used on 11.33 miles. The type of sleepers used is mostly dependent on the availability of sleepers at that time.

दिल्ली में कृषि प्रदर्शनियां तथा मेले

२५९४. **श्री नवल प्रभाकर :** क्या खाद्य तथा कृषि मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) किसानों को कृषि के उन्नत तरीकों का ज्ञान कराने के लिये वर्ष १९५७–५८ और १९५८–५९ में दिल्ली में कितनी प्रदर्शनिया और मेले लगाये गये ;

(ख) ये प्रदर्शनिया और मेले किन-किन स्थानों पर किये गये ; और

(ग) उन पर कितना व्यय हुआ ?

खाद्य तथा कृषि मंत्री (श्री अ० प्र० जैन) : (क) से (ग) एक विवरण सभा-पटल पर रख दिया गया है।

विवरण

(क) खाद्य और कृषि मन्त्रालय ने दिल्ली मे किसी प्रदर्शनी तथा मेलो का सगठन नही किया परन्तु दूसरी संस्थाओ द्वारा संगठित की गई प्रदर्शनियो में भाग लिया जो नीचे दी गई हैं :—

(१) १९५७–५८ में दो प्रदर्शनियां

(१) अखिल भारतीय ढोर प्रदर्शन समिति द्वारा संगठित प्रदर्शनी

(२) भारत कृषक समाज द्वारा सगठित "कृषि और ग्राम उद्योग प्रदर्शनी"